# कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

नवम्बर, 2025, अंक 19

## '' जैव–सवंर्धित फसलों की उत्पादन तकनीक'' विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर 2025 को ''जैव–सवंर्धित फसलों की उत्पादन तकनीक'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम ग्राम भादासर (तह.सरदारशहर) में आयोजित हुआ, जिसमें गांव के 20 किसानों एवं कृषक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । केन्द्र के विशेषज्ञ श्री हरीश रछौया ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में जैव–संर्वधित (**Biofortified**) फसलें न केवल पोषण सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि किसानों की आय बढाने का भी एक प्रभावी माध्यम है । उन्होंने किसानों से अपील की कि वे इन उन्नत फसलों को अपनाकर अपने क्षैत्र में कुपोषण–मुक्त समाज निर्माण में सहयोग करें । इस अवसर पर श्री मुकेश शर्मा, विषय विशेषज्ञ (पौध सरंक्षण) ने बताया कि जैव–संर्वधित फसलों जैसेः जिंक युक्त गेहूँ, आयरन युक्त बाजरा, प्रोटीन युक्त दालें एवं विटामिन युक्त शंकरकंद का सेवन स्वास्थय सुधार के लिए अत्यंत लाभकारी है । उन्होंने ग्रामीण परिवारों में पोषण विविधीकरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला । कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने किसानों को बीज चयन, फसल प्रबंधन, पोषक तत्व संतुलन, रोग एवं कीट प्रबंधन से संबंधित नवीन तकनीकों की जानकारी दी । किसानों को केन्द्र द्वारा विकसित प्रदर्शन इकाईयों, फसल नमूनों एवं तकनीकी पुस्तिकाओं से भी अवगत कराया गया । प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों ने जैव–सवंर्धित फसलों ( किस्म गेहूँ–**DBW-187**, पूसा तेजस, सरसों **PM-30, PM-31** )के क्षैत्र में प्राप्त नई जानकारियों के प्रति संतोष व्यक्त किया तथा अपने खेतों में इन तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया ।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा ''कोल कॉप्स की उत्पादन तकनीक'' पर संस्थागत प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर (चूरू ) द्वारा दिनांक 4 अक्टूबर 2025 को ग्राम पुनुसर तहसील सरदारशहर में कोल कॉप्स किस्मों (जैसेः गोभी, ब्रोकली, फूलगोभी आदि) की उत्पादन तकनीक विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को कोल कॉप्स की उन्नत खेती तकनीक, रोग एवं कीट प्रबंधन, मृदा तैयारी, उर्वरक प्रबंधन, सिंचाई और उच्च उत्पादक विज्ञान केन्द्र, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर(चूरू) द्वारा दिनांक 4 अक्टूबर 2025 को ग्राम पुनुसर तहसील सरदारशहर में कोल कॉप्स किस्मों के चयन की जानकारी देना था । इस अवसर पर उद्यान विशेषज्ञ श्री अजय कुमावत ने किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन देते हुए व्यावहारिक दृष्टिकोण से प्रशिक्षण दिया । कार्यक्रम में किसानों को प्रायोगिक प्रदर्शन के माध्यम से खेतों में तकनीकों को लागू करने का अनुभव भी प्रदान किया गया । प्रशिक्षण में कुल 20 कृषक उपस्थित रहे । विशेषज्ञों ने उन्हें बताया कि कैसे सही समय पर रोपण, जल प्रबंधन और पोषण प्रबंधन से फसल गुणवता और उत्पादन बढाया जा सकता है । किसानों ने प्रशिक्षण के दौरान उठाये गए सवालों के उत्तर पाकर अपने संदेह दूर किए और नई तकनीकों को अपनाने के लिए उत्साहित हुए ।

## कृषि सखियों हेतु प्राकृतिक खेती विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

दिनांक 6 से 10 अक्टूबर 2025 तक नेचुरल फार्मिंग (प्राकृतिक खेती) विषय पर 5 दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण में जिले की 58 कृषि सखियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया । कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों, जैविक इनपुट्स के निर्माण एवं उनके उपयोग के प्रति प्रशिक्षित करना था, ताकि वे अपने–अपने क्षैत्रों में किसानों को इस दिशा में प्रेरित कर सके । इस अवसर पर कृषि विभाग, चूरू के अधिकरियों ने भी सहभागिता की और उनके समन्वय से यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कृषि विज्ञान केन्द्र की विभिन्न युनिट्स जैसेः–प्राकृतिक खेती, बगीचा इकाई, मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला, अजोला एवं केंचुआ उत्पादन इकाई, बाजरा प्रसंस्करण इकाई आदि का भ्रमण करवाया गया । प्रतिभागियों को नेचुरल फार्मिंग से संबंधित इनपुट्स जैसेः जीवामृत, धनजीवामृत, दशपर्णी अर्क, ब्रहास्त्र, अग्नि अस्त्र आदि बनाने का व्यवाहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया । कार्यक्रम के समापन सत्र में सभी कृषि सखियों को प्रशिक्षण उपरान्त प्रमाण–पत्र प्रदान किए गये । प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया तथा अपने–अपने क्षैत्रों में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया ।

## प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय स्तर पर दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया जिसका लाइव टेलीकास्ट कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में हुआ । इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले के विभिन्न जनप्रतिनिधि तथा किसानों एवं कृषक महिलाओं, छात्र–छात्राओं आदि के द्वारा देखा ।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोचार के साथ हुआ, जिसमें माननीय प्रधानमंत्रीजी ने 42000 करोड रूपये से अधिक कृषि परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया । कार्यक्रम में चूरू विधायक श्री हरलाल सहारण, जिला प्रमुख श्रीमती वंदना आर्य एवं जिला कलक्टर श्रीमान् अभिषेक सुराणा ने भी संबोधित करते हुए बताया कि इस योजना से चूरू जिले की उत्पादन क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव देखने का मिलेगा तथा भंडारण और विपणन जैसी चुनोतियों को दूर करने में भी सहायता मिलेगी ।

पूर्व मंत्री श्रीमान् राजकुमार रिणंवा ने कहा कि इस प्रकार की योजनाएं भारत को खाधान्न और दाल उत्पादन में भी आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ मरूस्थलीय प्रदेश को भी अग्रणी लेकर जाएगी । इसके अलावा भाजपा नेता श्री मधुसूदन राजपुरोहित, सभापति श्री राजकरण चौधरी, डेयरी अध्यक्ष श्री लालचंद मूंड, एसडीएम श्री रामकुमार वर्मा, नायब तहसीलदार श्री प्रहलादराय पारीक एवं केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विनोद कुमार सैनी ने जिला स्तरीय कार्यक्रमों एवं संबंधित योजनाओं के सफल कियान्वयन हेतु आपसी समन्वय और सहभागिता के साथ अन्य कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु विचार मंथन किया ।

कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों द्वारा चूरू जिले के लिए उपयुक्त फसलों के बारे में किसानों से चर्चा की साथ ही जैविक खेती, सिंचाई प्रबंधन, मृदा परीक्षण के लाभ आदि के बारे में चर्चा की । कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. राजकुमार कुल्हरी, सहायक निदेशक कृषि श्री कुलदीप शर्मा तथा केन्द्र के विशेषज्ञ श्री मुकेश शर्मा, श्री हरीश रछौया, श्री श्याम बिहारी, श्री अजय कुमावत, डॉ. रमन जोधा एवं जिले के सभी प्रगतिशील किसानों तथा महिलाओं, छात्र–छात्राओं, किसान संगठन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।

कार्यक्रम के अंत में तकनीकी सत्र रखा गया जिसमें रबी फसलों से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारीयां किसानों के साथ सांझा की गई एवं किसानों के अनुभवों का आंकलन कर नई रणनीति बनाने पर भी सभी विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई ।

## अन्तर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर में दिनांक 15 अक्टूबर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इस कार्यक्रम में जिले की 47 कृषक महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया । कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं की कृषि में भूमिका को सशक्त बनाना तथा उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से जोडना था । इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा मृदा स्वास्थय प्रबंधन, फसल विविधिकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, उद्यानिकी, गृह विज्ञान एवं पोषण सुरक्षा से संबंधित विषयों पर तकनीकी जानकारी प्रदान की गई । महिलाओं को कृषि विज्ञान केन्द्र की विभिन्न युनिट्स जैसे :– बाजरा प्रसंस्करण इकाई अजोला एवं केंचुआ उत्पादन इकाई का भ्रमण करवाया गया । जहॉ उन्होंने व्यावहारिक रूप से विभिन्न कृषि तकनीकों एवं उत्पाद निर्माण प्रक्रियाओं को देखा । इस अवसर पर पोषाहार वाटिका, प्रदर्शन एवं पौध वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया । कार्यक्रम में बीज एवं पौध रोपण विधि, वाटिका के रख रखाव और फसलों के सही पोषण एवं सिंचाई तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई । इसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों में स्वस्थ और पोषक आहार की महता को समझकर घरेलू स्तर पर पोषाहार वाटिका को बढावा देना और इसके लिए प्रेरित करना था । वाटिका निर्माण हेतु रबी सीजन की सब्जियों जैसेः गाजर, मूली, धनिया, पालक के उन्नत बीजों के साथ–साथ मिर्च, बैंगन, गोभी आदि की पौध भी उपलब्ध करवाई गई । इस प्रदर्शन के माध्यम महिलाओं ने व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया और अपने घरों व गांव में पोषाहार वाटिका स्थापित करने के लिए उत्साहित हुई ।

## अन्तर्राष्ट्रीय विश्व खाद्य दिवस का आयोजन

विश्व खाद्य दिवस (WORLD FOOD DAY) का आयोजन दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर में किया गया । इस अवसर पर लगभग 40 किसानों तथा छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी द्वारा स्वागत भाषण से किया गया । उन्होंने अपने संबोधन में विश्व खाद्य दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खाद्य सुरक्षा, पोषण एवं सतत कृषि आज के युग की प्रमुख आवश्यकता है । उन्होनें उपस्थित किसानों को जल, मृदा एवं संसाधनों के सरंक्षण के साथ उत्पादन बढाने पर बल दिया । इस अवसर पर डॉ. रमन जोधा, गृह विज्ञान विशेषज्ञ ने संतुलित आहार, पोषक अनाजों के उपयोग तथा कुपोषण उन्मूलन में महिलाओं की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने प्रतिभागियों को ''हर घर सुरक्षित भोजन–स्वस्थ जीवन की और कदम'' की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा किसानों को जैविक खेती, पोषक अनाज उत्पादन, मिट्टी स्वास्थय प्रबंधन, जल सरंक्षण तकनीक एवं घरेलू स्तर पर पोषाहार विविधिकरण पर तकनीकी जानकारी प्रदान की गई । साथ ही उपस्थित किसानों और विधार्थियों को केन्द्र की विभिन्न तकनीकी इकाईयों एवं प्रदर्शन इकाईयों का भ्रमण भी कराया गया । उन्होंने नवीनतम कृषि तकनीकों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया । कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों को स्वस्थ एवं सुरक्षित आहार अपनाने तथा अपने गांवों में पोषण जागरूकता फैलाने का आह्वान किया ।

## सरसों किस्म सीएस–60 का प्रदर्शन कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना (SCSP) अन्तर्गत तिलहन उत्पादन प्रोत्साहन हेतु सरसों उत्पादन की उन्नत तकनीकी विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को सभागार कक्ष में किया गया । इस अवसर पर खारे पानी में अच्छा उत्पादन देने वाली किस्म सीएस–60 की विशेषताओं के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत करवाया गया । विशेषज्ञ श्री हरीश रछौया ने बताया कि सरसों किस्म सीएस–60 उच्च उत्पादन क्षमता के साथ–साथ रोग एवं कीटों के प्रति तुलनात्मक

रूप से मजबूत प्रतिरोधक क्षमता वाली उत्कृष्ट बीज गुणवता वाली किस्म है । जिसमें तेल की भी उच्च गुणवता पाई जाती है । कार्यक्रम अन्तर्गत बुवाई से पूर्व भूमि एव बीज उपचार, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन, मुख्य पोषक तत्वों के साथ गंधक–जिप्सम का प्रयोग, खरपतवार प्रबंधन के बारे भी अवगत करवाकर प्रशिक्षणार्थियों को चयनित गांव बरलाजसर में 20 हैक्टेयर क्षैत्र में बुवाई हेतु सीएस–60 के प्रदर्शन उपलब्ध करवाये गये ।

## प्याज की उन्नत किस्म NHRDF रेड –4 का प्रदर्शन

दिनांक 17 अक्टूबर 2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा फसल विविधिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम हुडेरा में प्याज की उन्नत किस्म NHRDF रेड–4 के प्रदर्शन लगाये गये । इस प्रदर्शन का उद्देश्य क्षैत्र के किसानों को उच्च उत्पादकता वाली, गुणवतापूर्ण एवं भंडारण योग्य प्याज की नई किस्मों से अवगत कराना था । कार्यक्रम के दौरान केन्द्र के विशेषज्ञों ने बताया कि NHRDF किस्म की विशेषता यह है कि इसकी गांठें (Bulb) मध्यम से बडी आकार की, आकर्षक लाल रंग की और भंडारण के लिए अंतयंत उपयुक्त होती है । यह किस्म सूखा एवं तापमान सहनशील है तथा स्थानीय परिस्थितियों में पारंपरिक किस्मों की तुलना में अधिक उपज देती है । वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को प्याज की वैज्ञानिक खेती की संपूर्ण तकनीकी जानकारी दी गई । जिसमें नर्सरी प्रबंधन, पौध रोपाई की उचित दूरी, सिंचाई का समय, पोषक तत्व प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण एवं कीट–रोग प्रबंधन के उपाय शामिल है । किसानों को बताया कि संतुलित उर्वरक प्रयोग और सूक्ष्म पोषक तत्वों का समुचित उपयोग फसल की गुणवता एवं उत्पादन दोनों में वृद्वि करता है । किसानों ने इस प्रदर्शन में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा इस किस्म की खेती का अपने खेतों में अपनाने की रूचि दिखाई । उन्होनें बताया कि इस तरह के प्रदर्शन से उन्हें नई तकनीक व उन्नत किस्मों की जानकारी व्यावहारिक रूप से मिलती है, जिसमें उनकी आमदनी में वृद्वि संभव है ।

## सौंफ की उन्नत किस्म AF-2 का प्रदर्शन

फसल विविधिकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम दाउदसर में सौंफ की उन्नत किस्म AF-2 के प्रदर्शन दिनांक 18 अक्टूबर को लगाये गये । इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य किसानों को उच्च उत्पादकता, गुणवता एवं बाजार मूल्य प्रदान करने वाली उन्नत सौंफ किस्मों से परिचित कराना था ।

कार्यक्रम के दौरान बागवानी विशेषज्ञ श्री अजय कुमावत ने बताया कि AF-2 किस्म की पौध मजबूत एवं समान वृद्वि वाली है, जिसके बीज गहरे रग के, सुगंधित एवं उच्च औषधीय गुणों से युक्त होते हैं । यह किस्म क्षैत्र की शुष्क जलवायु परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है तथा पारंपरिक किस्मों की तुलना में अधिक उपज देती है साथ ही किसानों को सौंफ की बेहतर बुवाई तकनीक, उर्वरक प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण उपाय, फसल कटाई एवं भंडारण तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि समय पर सिंचाई एवं सुक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग सौंफ की गुणवता एवं उपज दोनों में वृद्वि करता है । किसानों ने इस प्रदर्शन में गहरी रूचि दिखाई और AF-2 किस्म को आगामी रबी सीजन में अपनाने की इच्छा व्यक्त की । उन्होने कहा कि इस प्रकार के प्रदर्शन से उन्हें फसल की नई तकनीकों को खेत स्तर पर देखने और सीखने का अवसर मिलता है ।


| लनकर्ता | संपादक | प्रकाशक |
|---|---|---|
| श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ )<br>श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ)<br>श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ )<br>श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ )<br>श्री कानाराम सोढ (फार्म मैनेजर)<br>श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA) | डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान )<br>Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो<br>Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट | डॉ. वी. के. सैनी<br>वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख<br>कृषि विज्ञान केन्द्र,<br>सरदारशहर,चूरू–I |